SHM S. K. T. RAMACHANDRAN (Tami] Nadu): It is a *quid pro quo.*

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is good. And^ at least, Mr. Narayanasamy deserves this treatment by you because all the time he is Speaker Tamil Nadu,

III-Treatment of Air Pasengers from Abroad

श्री मोहम्मद मसूद खान (उत्तर प्रदेश) : मोहतरमा, हिन्दुस्तान के जो लोग बाहर से आते हैं या फॉरिनर्स जो इस मुल्क में आते हैं, पहले तो वे हवाई जहाज से आते थे। हवाई अड्डे से उतर कर [illegible] से जाते थे। जी०आर०पी० वाले [illegible] लूट लेते थे। अब उन्होंने हवाई जहाज से दिल्ली में उतरने के बाद जैसे आजमगढ़ के रहने वाले हैं तो बाबतपुर हवाई अड्डे पर जाकर उतरते हैं। उनकी सारी लूट हवाई अड्डे के अंदर होती है। हवाई अड्डे के कर्मचारी उनको करते हैं। लाख लिखा जाए होम मिनिस्ट्री, फारेन मिनिस्ट्री और हवाई प्रवास मिनिस्ट्री को, कोई सुनता नहीं है। मैं दो-तीन मिसालें देना चाहता हूं। एक इसरार नामी जो नोनारीगांव आजमगढ़ का रहने वाला था उसका भांजा आया बाहर टैक्सी वाले ले गए उसको एक सुनसान जगह पर खड़ा करके सारा सामान लूट लिया। टैक्सी नंबर के साथ मैंने उसकी एप्लीकेशन भेजी एक दूसरा वाकया जो अभी जल्दी हुआ है वह मैं आपके सामने उसकी मिसाल पेश करना चाहता हूं कि जहार अहमद और इख्तार अहमद, जो दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरे, दुबई से आ रहे थे। इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर उतरने के बाद कस्टम वगैरह कराया और उसके बाद डोमेस्टिक हवाई अड्डे पर गए और सामान लगेज कराने वाली लाइन में खड़े हो गए। दो अधिकारी उनमें से निकल कर आए और उन्होंने कहा कि तुम्हारे पास ज्यादा सामान नहीं है इसको लगेज कराने की जरूरत नहीं है। ट्रॉली पर ले कर जब वे आगे बढ़े तो ऊपर वाला बैग जिसके अंदर पांच-पांच हजार के दोनों मुल्कों की करेंसी थी, 809 ग्राम सोना [illegible] और दोनों का पासपोर्ट था, [illegible] था और कलाई घड़ी वगैरह [illegible]। वे [illegible] लेकर भागे। वह शोर करने लगा [illegible] और मुसाफिर और कर्मचारी आ [illegible]। वह बेहोश हो गया। बृजभान शर्मा आए, उन्होंने कहा तुम लिख कर दे दो। जब वह दरख्वास्त लिख करके उनको देने लगा और उन दोनों अधिकारियों का मेंशन करने लगा तो उन्होंने उनको संतोष दिया कि तुम इनका मेंशन न करो, हम सामान दिला देंगे। चुनांचे उसने लिख कर दिया और उसके बाद जो तफतीश उन्होंने किया उसमें इतनी झूठी तफतीश किया कि यह लिखा हुआ है कि हमने तमाम अधिकारियों का परेड कराया और किसी को नहीं पहचाना जबकि उसके फरिश्तों को खबर नहीं थी कि यह सब कब हुआ। इस तरह से वाकयात हो रहे हैं। सबसे बड़ी दोहरी मार आज उनके ऊपर पड़ रही है, मैडम, उनका पासपोर्ट, वीसा, पासपोर्ट के वास्ते डुप्लीकेट पासपोर्ट बनवाने जायेंगे तो 6 महीना लगता है और डेढ़ महीना उनकी मियाद है। उनकी सारी जिन्दगी बर्बाद हो गई है।

मैं एक और वाकया बताना चाहता हूं 8 तारीख को निकला एअर इंडिया के प्रवास के दौरान... **(व्यवधान)**

गृह मंत्री (श्री एस. बी. चव्हाण): मैं एक दरख्वास्त करूंगा जो पहला वाकया आपने यहां पर कहा, जरा अब मुझसे

[श्री एस० बी० चव्हाण]

अलग मिलिए और उसकी तफसील मुझे बताइये ।

श्री मोहम्मद मसूद खान : एअर इंडिया के प्रवास के दौरान मुसाफिरों के सामान की चोरी का वाकया कल सुबह सवा चार बजे उस वक्त रोशनी में आया जब पैरिस से दिल्ली आने वाले एअर इंडिया के फ्लाईट नं० 148 के मुसाफिरों को एयरपोर्ट पर उनका सामान हवाला किया गया एयर इंडिया के इसी प्रवास से बनारस के बड़ी बाज़ार के बाशिंदे जनाब रशिद उम्र फारूकी छुट्टियां गुजारने घर आ रहे थे । इंदिरा गांधी एयर पोर्ट पर जब उनका सामान हवाला किया गया तो केस टूटा पाया गया और उसके अंदर रखा हुआ एक शानदार सूटकेस और कुछ कीमती सामान गायब था । इसी दौरान दो फ्रांसीसी बाशिंदों ने भी अपने सामान की चोरी की रिपोर्ट एयरपोर्ट अथारिटी के पास दर्ज कराई । फ्रांसीसी का कैमरा, कुछ कीमती सामान वगैरह सब गायब था । तो मैडम, बड़ी मुश्किल से तो जा करके फारेन में यहां के लोग मेहनत से रोजी-रोटी कमाते हैं और कमाकर जब लौटते हैं तो थोड़ी गफलत की वजह से उनका सारा सामान लूट लिया जाता है । मैं आपके माध्यम से जैसे कि होम मिनिस्टर साहब ने कहा है, मैं लिखकर भी दूंगा और सारा टैक्सी नंबर वगैरह लिखकर दूंगा । एक निवेदन और करना चाहता हूं कि चूंकि इनका पासपोर्ट वगैरह भी चला गया है, फ्रैश पासपोर्ट डुप्लीकेट पासपोर्ट बनाने का तरीका है। लेकिन उसमें ऐसा नहीं होता है कि इनकी मियाद खत्म हो जाएगी वह रह जायेंगे । बीमा उन लोगों का नहीं था। अपने दुबई से उन्होंने फैक्स से बीसा तो मंगा लिया है लेकिन अगर वह पासपोर्ट उनका उस मियाद के अन्दर नहीं बनाया जाए तो वह फिर अपनी रोजी-रोटी के वास्ते काम नहीं कर सकेंगे । तो मेरी यह अपील है कि इस पर तवज्जह दे करके आईंदा ऐसा न हो और इसकी रोकथाम के लिए मुनासिब कदम उठाया जाए ताकि लोगों को परेशानी से बचाया जा सके ।

उपसभापति : ठीक है, चव्हाण साहब ने कहा है कि आप इसकी तफसील के साथ उनसे मिलिए और वह यकीनन इस पर ध्यान देंगे, क्योंकि मैंने भी उनको कुछ लिख कर दिया है, मुझे भी मालूम हो ।

श्री मोहम्मद मसूद खान : मैडम, वह दोनों आदमी मेरे घर पर दो रोज से पड़े हुए हैं मैं कल ही लेकर आऊंगा । जिनका सब कुछ लुट गया है । लड़कियों की शादी करने वाले थे और उसके लिए सामान ले आने वाले थे। वह आए और लुट गए।

उपसभापति : ठीक है।

شری محمد مسعود خان "اتر پردیش": - محترمہ - ہندوستان کے جو لوگ باہر سے آتے ہیں یا فارنرز جو اس ملک میں آتے ہیں۔ پہلے تو وہ ہوائی جہاز سے آتے تھے ہوائی اڈے سے اتر کر ٹرین سے جاتے تھے۔ جی۔ آر۔ پی والے اُن کو لوٹ لیتے تھے اب انھوں نے ہوائی جہاز سے دلّی میں اترنے کے بعد جیسے اعظم گڑھ کے رہنے والے ہیں تو بابت پور ہوائی اڈے پر جاکر اترتے ہیں ان کی ساری لوٹ ہوائی اڈے کے اندر ہوتی ہے۔ ہوائی اڈے کے کرمچاری اس کو کرتے ہیں۔ لاکھ لکھا جائے ہوم منسٹری۔ فاران منسٹری۔ اور ہوائی پرواس منسٹری کو۔ کوئی سنتا نہیں ہے۔ میں دو۔ تین مثالیں دینا چاہتا ہوں۔ ایک اسرار نامی جو "نو ناریجی گاؤں" اعظم گڑھ کا رہنے والا تھا۔ اس کا بھانجا آیا۔ باہر ٹیکسی والے لے گئے اُس کو ایک سنسان جگہ پر کھڑا کر کے سارا سامان لوٹ لیا۔ ٹیکسی نمبر کے ساتھ میں نے اُس کی اپلیکیشن بھیجی۔ ایک دوسرا واقعہ جو ابھی جلدی ہوا ہے وہ میں آپ کے سامنے اُس کی مثال پیش کرنا چاہتا ہوں کہ اظہار احمد اور مختار احمد جو دلّی ہوائی اڈے پر اترے دبئی سے آ رہے تھے۔ انٹرنیشنل ہوائی اڈے پر اترنے کے بعد کسٹم وغیرہ کرایا اور اُس کے بعد ڈومسٹک ہوائی اڈے پر گئے اور سامان لگیج کرانے والی لائن میں کھڑے ہو گئے دو ادھیکاری اس میں سے نکل کر آئے اور انھوں نے کہا کہ تمہارے پاس زیادہ سامان نہیں ہے اس کو لگیج کرانے کی ضرورت نہیں ہے ٹرالی پر جب وہ آگے بڑھے تو اوپر والا بیگ جس کے اندر پانچ پانچ ہزار کی دونوں ملکوں کی کرنسی تھی۔ ۸۰۹ گرام سونا تھا اور دونوں کا پاسپورٹ تھا۔ ریٹرن ٹکٹ تھا اور کلائی کی گھڑی وغیرہ تھی وہ جھولا لے کر بھاگے۔ وہ شور کرنے لگا تب تک اور مسافر اور کرمچاری آگئے وہ بیہوش ہو گیا۔ بڑے بھائی تھوڑا آئے انھوں نے کہا تم لکھ کر دے دو۔ جب وہ درخواست لکھ کر کے ان کو دینے لگا اور ان دونوں ادھیکاریوں کو مینشن کرنے لگا تو انھوں نے اُن کو سنتوش دیا کہ تم ان کا مینشن نہ کرو۔ ہم سامان دلا دیں گے۔ چنانچہ اُس نے لکھ کر دیا اور اس کے بعد جو تفتیش انھوں کیا اس میں آئی جی جوڈی تفتیش کیا کہ یہ لکھا ہوا ہے کہ ہم نے تمام ادھیکاریوں کا پریڈ کرایا اور کسی کو نہیں پہچانا جب کہ اُس کے فرشتوں کو خبر نہیں تھی کہ یہ سب کب ہوا۔ اس طرح سے واقعات ہو رہے ہیں۔ سب سے بڑی دوہری مار آج اُن کے اوپر پڑ رہی ہے۔ میڈم۔ اُن کا پاسپورٹ اور ویزا۔ پاسپورٹ کے واسطے ڈپلیکیٹ پاسپورٹ بنوانے جائیں گے تو چھ مہینے لگتا ہے اور ڈیڑھ مہینہ اُن کی میعاد ہے۔ اُن کی ساری

---

†[ ] Transiteration in Arabic Script.

زندگی برباد ہو گئی ہے ۔

میں ایک اور واقعہ بتانا چاہتا ہوں ۔ ۸ رتاریخ کو منگلا ایئر انڈیا کے پرواز کے دوران ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ "مداخلت" ۔ ۔ ۔ ۔

گرہ منتری شری ایس ۔ بی ۔ چوان : میں ایک درخواست کروں گا جو پہلا واقعہ آپ نے یہاں پر کہا ذرا آپ مجھ سے الگ ملیے اور اس کی تفصیل مجھے بتا دیجیے ۔

شری محمد مسعود خاں : ۔ ایئر انڈیا کے پرواز کے دوران مسافروں کے سامان کی چوری کا واقعہ کل صبح ساڑھے چار بجے اُس وقت روشنی میں آیا جب پیرس سے دہلی آنے والی ایئر انڈیا فلائٹ نمبر ۱۴۸ کے مسافروں کو ایئرپورٹ پر اُن کو سامان حوالے کیا گیا ۔ ایئر انڈیا کے اسی پرواز سے بنارس کے بڑے بازار کے باشندے جناب راشد عمر فاروقی چھٹیاں گزارنے گھر آ رہے تھے ۔ اندرا گاندھی ایئرپورٹ پر جب اُن کا سامان حوالے کیا گیا تو کیس ٹوٹا پایا گیا اور اُس کے اندر رکھا ہوا ایک شاندار شوٹ کیس اور کچھ قیمتی سامان غائب تھا ۔ اسی دوران دو فرانسیسی باشندوں نے اپنے سامان کی چوری کی رپورٹ ایئرپورٹ اتھارٹی کے پاس درج کرائی ۔ فرانسیسی کا کیمرہ ۔ کچھ قیمتی سامان وغیرہ سب غائب تھا ۔ تو میڈم ۔ یہ جو شخص ہے تو جا کر فارن میں یہاں کے لوگ محنت سے روزی روٹی کماتے ہیں اور کما کر جب لوٹتے ہیں تو تھوڑی سی غفلت کی وجہ سے اُن کا سارا سامان لوٹ لیا جاتا ہے ۔ میں آپ کے مادھیم سے جیسا کہ ہوم منسٹر صاحب نے کہا ہے ۔ میں لکھ کر بھی دوں گا اور سارا ٹیلیفون نمبر وغیرہ لکھ کر کے دوں گا ۔ ایک نویدن اور کرنا چاہتا ہوں کہ چوں کہ اُن کا پاسپورٹ وغیرہ بھی چلا گیا ہے فریش پاسپورٹ ڈپلیکیٹ بنانے کا طریقہ ہے ۔ لیکن اس میں ایسا نہیں ہوتا ہے کہ اُن کی میعاد ختم ہو جاتی ہے [illegible] گئے ۔ ویزا اُن لوگوں کا نہیں تھا ۔ ابھی دبئی سے انہوں نے ویزا تو منگوا لیا ہے لیکن اگر وہ پاسپورٹ ان کا اس میعاد کے اندر نہیں بنایا جاتا ہے تو وہ پھر ابھی روزی روٹی کے واسطے کام نہیں کر سکیں گے ۔ تو میری پرارتھنا ہے کہ اس پر توجہ دے سکیں کہ آئندہ ایسا نہ ہو اور اس کی روک تھام کے لئے مناسب قدم اٹھایا جائے تاکہ لوگوں کو پریشانی سے بچایا جا سکے ۔

اُپ سبھا پتی : ۔ ٹھیک ہے چیئرمین صاحب نے کہا ہے کہ آپ اس کی تفصیل کے ساتھ اُن سے ملیے اور وہ یقیناً اس پر دھیان دیں گے ۔ کیونکہ میں نے بھی ان کو کچھ لکھ کر دیا ہے ۔ مجھے بھی معلوم ہو ۔

شری محمد مسعود خان: میڈم۔ وہ دونوں آدمی میرے گھر پر دو روز سے پڑے ہوئے ہیں میں کل ہی لے کر آؤں گا۔ جن کا سب کچھ لٹ گیا ہے۔ لڑکیوں کی شادی کرنے والے تھے اور اس کے لیے سامان رکھنے والے تھے وہ آئے اور لٹ گئے۔ [illegible]

fan}i!emei;t;tf:on of Report of Jain-Agarwal Commission on 1984- riots

श्री बलबीर सिंह (पंजाब) : शुक्रिया, मैडम। मुझे बड़ा खेद और दुख है कि, सत्तारूढ़ पार्टी का सांसद होते हुए मुझे अपनी ही सरकार को गहरी नींद से जगाना, पड़ रहा है। मैडम, आपको याद होगा, पिछले इसी मानसून सेशन में, एक साल हो गया, पायलट साहब ने जो अभी बाहर तशरीफ ले गए हैं, इसी हाउस में बड़े जोश से और बड़े जज्बाती होकर ऊंची आवाज में कहा था कि 84 रायट्स के जो गिल्टी मुजरिम हैं, चाहे वह कितना ही बड़ा हो, उसको सजा दिलवाऊंगा और जैन—अग्रवाल कमीशन की रिपोर्ट संसद की मेज पर रखूंगा। मैडम, एक साल बीत गया है, कुछ भी नहीं हुआ और जब सिर से पानी गुजर गया तो मुझे यह मामला आज फिर उठाना पड़ रहा है।

मैडम, दिल्ली की सरकार ने मुजरिमों के खिलाफ, जोकि उस कमीशन के द्वारा इंडिक्ट हुए हैं, प्रोसीक्यूशन इनीशिएट किया है और यह जनरल इम्प्रेशन पंजाब के लोगों में और सारे हिंदुस्तान के लोगों में है और यह सच भी है कि केन्द्र सरकार जिसके नीचे दिल्ली की पुलिस आती है, वह मुजरिमों के खिलाफ कार्यवाही नहीं होने देती क्योंकि वह मुजरिम अथॉरिटी में बैठे हुए हैं। मैं हाउस को याद दिलाना चाहता हूं कि पंजाब में अब अमन और शांति सरदार बेअंत सिंह की कोशिशों के बावजूद हुई है तो सारे देश ने उनकी प्रशंसा की है और उनको बधाई दी है। इंटरनेशनल लेवल पर भी लोगों ने उनका शुक्रिया अदा किया है, लेकिन उसके मिले में पंजाब को क्या मिला ? पंजाब में जो अमन आया है, उसको स्टेब्लाइज करने के लिए, बहुत खेद की बात है कि सेंटर ने कुछ नहीं किया। मैडम, यह पहली बार है कि मेरी पार्टी दोनों हाउसेस में इतनी बड़ी मेजोरिटी में आई है और 20 सीटों में से हम 19 हैं लेकिन हम किस मुंह से लोगों के पास जाएंगे कि पंजाब की जो समस्याएं हैं पंजाब की जो मांगें हैं, उनकी तरफ सेंटर ध्यान नहीं दे रहा है।

मैडम, मैं होम मिनिस्टर साहब से अपील करूंगा, इन्होंने बार-बार आश्वासन भी दिलवाया है, वह पंजाब की समस्याओं पर ध्यान दें, लेकिन जब हमारे चीफ मिनिस्टर बात करते हैं कि चंडीगढ़ पंजाब को मिलना चाहिए तो भजन लाल जी एक मिनिट नहीं लगाते और वह बड़े जोर से कहते हैं कि मैं चंडीगढ़ पंजाब को नहीं देने दूंगा। मैं पंजाब को पानी नहीं लेने दूंगा। मैडम, अगर हमें अपनी ही सरकार से ऐसा इंडिफरेंट और कैलस एटीट्यूड मिलेगा तो यह बहुत ही खेद की बात है, बहुत ही अफसोस की बात है। फिर हम कैसे पंजाब के लोगों को अपना मुंह दिखाएंगे ? अगर पायलट साहब अपने को इतना हैल्पलेस महसूस कर रहे हैं, इतने मजबूर हैं तो मैं समझता हूं कि उन्हें गद्दी से चिपके रहने का कोई हक नहीं है।

मैडम, मुझे इकबाल का वह शेर याद आ रहा है कि—

> "इकबाल जरा बच के निकलना,
> ये अहले सियासत न तेरे न मेरे।"

मैडम, मैं होम मिनिस्टर साहब से विनती करूंगा, अपील करूंगा कि पंजाब का ध्यान रखिए। पंजाब जिसने देश की अखंडता और एकता को बरकरार रखा है और देश के विकास में इतना बड़ा योगदान दिया है, उनके लिए मैं उम्मीद करूंगा कि आप उन्हें न्याय जरूर दिलवाएंगे।

श्री एस० एस० अहलुवालिया (पंजाब) उपसभापति महोदया, मेरे मित्र बलबीर सिंह जी ने जो मुद्दा उठाया है, मैं उनके साथ पूरी तरह सहमत हूं और कहना